Ph. No. 0522 2635513
Email:- bsnvpg.iqac@gmail.com

Internal Quality Assurance Cell (IQAC)

बप्पा श्री नारायण वोकेशनल स्नातकोत्तर महाविद्यालय (के0के0वी0)
स्टेशन रोड, चारबाग, लखनऊ – 226001

आईक्यूएसी मीटिंग मिनट्स

Date:- 07-10-2021

Event:- IQAC Meeting

Title :- Related to Quality Management

Venue:- Seminar Hall

Presided by:- Sri. Ratnakar Shukla (Manager)

Chairperson:- Sri Rakesh Chandra (Principal, BSNVPG College, Lucknow)

Co-ordinator:- Dr. Ram Kumar Tiwari

Member of IQAC:- Dr. Sanjay Shukla, Dr. Sanjive Shukla, Dr. D.K. Srivastava, Dr. GK Mishra

अनुपस्थित सदस्य – Dr. Jyoti Kala, Dr. Gunjan Pandey

अन्य सदस्य – श्री सत्यव्रत पाण्डेय

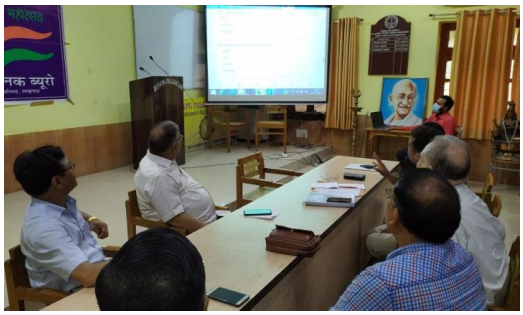

अपेक्षित/आमंत्रित सदस्य सूची

विशिष्ट उपस्थिति – : श्रीमान रत्नाकर शुक्ला (मंत्री/प्रबंधक)
Chairperson : Sri Rakesh Chandra (Principal)
Coordinator : Dr. Ram Kumar

Teacher Members:- :
1. Dr. Sanjay Shukla
2. Dr. Sanjive Shukla
3. Dr. Jyoti Kala
4. Dr. D.K. Srivastava
5. Dr. Gunjan Pandey
6. Dr. Govind Krishna Mishra

महाविद्यालय के मंत्री/प्रबंधक श्रीमान रत्नाकर शुक्ला जी के नेतृत्व में आईक्यूएसी मीटिंग सेमिनार हॉल में सम्पन्न हुयी जिसमें एजेन्डा के निम्न बिन्दुओं पर चर्चा हुयी–

Agenda:-

1- आईक्यूएसी द्वारा निर्धारित कार्य समूहों की प्रगति समीक्षा।
2- आईक्यूएसी कमेटी में दो रिक्त सदस्यों के स्थान पर नये सदस्यों को चयनित करने के सम्बन्ध पर विचार।
3- आईक्यूएसी द्वारा **न्यूज़लेटर** के प्रकाशन के सम्बन्ध पर विचार।
4- आईक्यूएसी ऑफिस के स्थापना की प्रगति की समीक्षा।
5- डेटा संग्रहण हेतु प्रारूप पत्र (Format) के स्वरूप पर विचार।
6- विभिन्न समूहों (वर्कग्रुप) के द्वारा सुझाये गये बिन्दुओं के अनुरूप तैयार कार्य योजना को लागू करने की रणनीति पर विचार।
7- Students आईक्यूएसी के गठन के सम्बन्ध में।
8- विभिन्न समूहों (वर्कग्रुप) में आंशिक परिवर्तन करने पर विचार।

1. आईक्यूएसी कोऑर्डिनेटर डॉ. राम कुमार ने अब तक हुये कार्यों का विवरण देते हुये बताया कि वर्क ग्रुप्स् चार के अतिरिक्त सभी वर्क ग्रुप्स् के साथ बैठकें हो चुकी हैं, इन बैठकों में विभिन्न क्राइटीरियाज के समस्त बिन्दुओं पर बिन्दुवार चर्चा हुयी है एवं मुख्यतः सम्पादित होने वाले कार्यों को चार भागों में बांटा गया है। यह भाग क्रमशः वर्कग्रुप, प्राचार्य कार्यालय, महाविद्यालय के विभाग एवं आईक्यूएसी हैं। वर्कग्रुप के सुझावों को एक साथ कम्पाइल किया गया है एवं डेटा कलेक्शन हेतु फार्मेट की ड्राफ्ट कॉपी तैयार हो गयी है। इसी के साथ विभिन्न प्रकार के फीडबैक फॉर्मस् भी तैयार कर लिये गये हैं। एवं जरूरी दस्तावेज एवं फॉमर्स महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर विभिन्न लिंक्स बनाये जा रहे हैं जिससे कि वे आसानी से एक्सेस किये जा सके। लगभग सभी वर्कग्रुप्स् की मीटिंग होने, बिन्दुवार चर्चा करने एवं गुणवत्ता संवर्धन हेतु सुझाव दिये जाने का सदस्यो ने स्वागत किया।
2. आईक्यूएसी के दो सदसयों डॉ शोभा बाजपेयी के रिटायर्ड होने एवं डॉ. ओ.पी.बी. शुक्ला के बी.बी.ए.यू. में ज्वाइन करने के कारण आईक्यूएसी में उत्पन्न हुई दो रिक्तियों को भरने के बारे में चर्चा के क्रम में डॉ. संजीव शुक्ला का सुझाव था कि नये लोगों को इसमें स्थान देना चाहिए जिससे कि वे कॉलेज में क्वालिटी कल्चर को बनाने में अपनी ऊर्जा लगा सके। डॉ. संजय शुक्ला ने बॉटनी जैसे बड़े विभाग के प्रतिनिधित्व पर बल दिया। अंततः डॉ मंजुल त्रिवेदी एवं डॉ प्रमिला पाण्डेय का अनुमोदन भी सदस्यों ने किया।
3. आईक्यूएसी द्वारा न्यूज़लेटर के प्रकाशन के सम्बन्ध में जानकारी देते हुए डॉ रामकुमार ने बताया कि कन्टेन्ट और डिजाइनिंग का कार्य चल रहा है तथा 12 से 16 पेज का न्यूजलेटर प्रकाशित करने की योजना है। डॉ. जी.सी. मिश्रा एवं डॉ डी.के. श्रीवास्तव ने इसे प्रभावी बनाने के लिए पूर्व के भी कार्यक्रमों को स्थान देने की बात की। डॉ. संजीव शुक्ला ने न्यूजलेटर को महाविद्यालय का फेस बताते हुए प्रभावी प्रकाशन पर बल दिया। डॉ. संजय शुक्ला ने इसे अर्द्धवार्षिक करने एवं कस से कम 1000 प्रतियों में छपवाने की बात की जिसका अनुमोदन प्राचार्य एवं प्रबंधक महोदय ने किया।

4. आईक्यूएसी के कार्यालय की प्रगति की जानकारी देते हुए प्राचार्य महोदय ने बताया कि फर्नीचर्स का ऑर्डर हो चुका है एवं पुताई का कार्य पूरा हो गया है। प्रबंधक महोदय ने अगली बैठक आईक्यूएसी कक्ष में करने का निर्देश दिया।
5. वर्कग्रुप्स् की संस्तुतियों एवं नैक गाइडलाइन को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किये हुए विभिन्न डेटा रिक्वायर्ड फॉर्मेटस् की ड्राफ्ट कॉपी को सदस्यों के समक्ष आईसीटी के सहयोग से श्री सत्यव्रत पाण्डेय द्वारा प्रदर्शित किया गया। इन फॉर्मेट्स में कुछ बिन्दु जोड़े जा सकते थे उन पर सदस्यों ने ध्यान दिलाया। डॉ. संजीव शुक्ला ने शोध विवरण को और महाविद्यालय द्वारा स्थापित शोध फंड का विशेष उल्लेख किया।
6. उपरोक्त फॉर्मेट्स के माध्यम से डेटा एकत्रीकरण का कार्य प्रभावी हो सके इसके लिए रणनीतिक विमर्श किया गया। यह तय हुआ कि फॉर्मेट्स सभी विभागाध्यक्षों को उपलब्ध करा दिया जाये एवं एक दिन सभी विभागाध्यक्षों की मीटिंग बुलाकर उनसे इस पर चर्चा भी कर ली जाये। साथ ही विद्यार्थियों विशेषकर नये विद्यार्थियों के मध्य में जागरूता कार्यक्रम चलाया जाये। ऐसे ही कार्यक्रम शिक्षकों एवं कर्मचारियों के मध्य भी चलाये जायें। इसके अतिरिक्त जनवरी/फरवरी 2020 में आईक्यूएसी द्वारा गुणवत्ता संबंधी सेमिनार का आयोजन किया जाये। डा. डी.के. श्रीवास्तव ने प्रत्येक शनिवार को सेमिनार डे की बात की जिस पर सहमति व्यक्त करते हुए प्राचार्य महोदय ने बीए., बीकॉम के लिए प्रातः 11:30 बजे एवं विज्ञान हेतु शाम 3:00 बजे पर प्रत्येक शनिवार को कार्यक्रम हो सके इसकी योजना बनाने पर बल दिया। डॉ. राम कुमार ने अवगत कराया कि क्वालिटी एश्योरेन्स वर्क ग्रुप द्वारा 12 अक्टूबर को बीए प्रथम वर्ष हेतु ओरियन्टेशन कार्यक्रम तय हो गया है एवं जनवरी/फरवरी 2022 में एक सेमिनार प्रस्तावित है। प्रबंधक महोदय ने इसी मध्य गुणवत्ता संबंधी वेबिनार के आयोजन का सुझाव दिया जिस पर सदस्यों की सहमति बनी और यथा शीघ्र इस संदर्भ में कार्य योजना प्रस्तुत की जायेगी।
7. कैम्पस के क्वालिटी कल्चर में विद्यार्थियों की भूमिका रेखांकित करते हुए डॉ. राम कुमार ने स्टूडेन्ट काउंसिल गठन करने का सुझाव दिया एवं प्राचार्य जी ने इसकी संरचना हेतु विभागों से मेधावी विद्यार्थियों का नाम देने का आईक्यूएसी द्वारा चयनित विद्यार्थियों को लेकर गठन की बात की। यह भी तय हुआ कि विद्यार्थियों के क्लब बनायें जाये एवं एक क्लब का मेंटर किसी एक विभाग को बनाया जाये। साथ ही कॉलेज की कमेटीज के साथ इन क्लब्स् को सम्बद्ध किया जाये।

अंत में प्राचार्य जी ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए आईक्यूएसी द्वारा उठाये गये कदमों से महाविद्यालय के गुणवत्ता में उन्नयन का विश्वास व्यक्त किया।